दिल्ली सल्तनत

- भारत में तुर्कों की विजय का सबसे महत्वपूर्ण कारण था – **तुर्कों की घुड़सवार सेना**
- गुजरात के शासक भीम प्रथम के समय में 1025 ई. में शिव के प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण करने वाला शासक – **महमूद गजनवी**
- मोहम्मद गोरी की हत्या की – **खोखर ने** (इसी जात्ति ने सोमनाथ मन्दिर लूटकर लौटते हुए महमूद गजनवी को लूट लिया था, बाद में 1027 में महमूद गजनवी ने अपना अंतिम और 17वां आक्रमण इसी जात्ति के विरूद्ध किया था।)
- मुहम्मद गौरी को पराजित करने वाले राजा थे – **भीम द्वितीय (1178) और पृथ्वीराज चौहान (1191–तराईन का प्रथम युद्ध)**
- मोहम्मद गोरी ने चन्दावर के युद्ध में किस वर्ष जयचन्द्र को पराजित किया – **1194 में**
- कुतुबुद्दीन ऐबक की राजधानी थी – **लाहौर** (यहीं पर 1210 में चौगान (आधुनिक पोलो) खेलते समय घोड़े से गिरने के कारण उसकी मृत्यु हो गई थी।)
- कुतुबुद्दीन ऐबक के बाद दिल्ली का शासक कौन बना – **आरामशाह**
- दिल्ली सल्तनत का प्रथम वैधानिक सुल्तान था – **इल्तुतमिश**
- प्रथम इल्बारी शासक था – **इल्तुतमिश**
- गुलामवंश का वास्तविक संस्थापक था – **इल्तुतमिश**
- किस इतिहासकार ने इल्तुतमिश को भारत में मुस्लिम राज्य का वास्तविक संस्थापक माना है – **आर. पी. त्रिपाठी**
- इल्तुतमिश के काल में 1221 में किस मंगोल आक्रमणकारी का खतरा भारत पर मंडरा रहा था – **चंगेज खॉ**
- किस सुल्तान के शासनकाल में चंगेज खॉ का एक राजदूत दिल्ली सल्तनत की राजसभा में भेजा गया था – **इल्तुतमिश**
- इल्तुतमिश के बाद सुल्तान कौन बना – **रूकनुद्दीन फिरोज**
- रजिया सुल्ताना किसकी उत्तराधिकारी थी – **इल्तुतमिश की**
- किस सुल्तान ने सिक्कों पर उमदत–उल–निशा विरूद धारण किया – **रजिया ने**
- किसने दिल्ली की जनता के सहयोग से शांतिपूर्वक राजगद्दी प्राप्त की – **रजिया ने**
- ऐसा कहा जाता है कि फिरोज तुगलक दिल्ली सल्तनत के पतन का कारण बना, क्योंकि – **उसने सेना को आनुवांशिक कर दिया।**
- बलबन ने राजत्व सिद्धान्त को परिभाषित किया था, क्योंकि वह – **ताज की प्रतिष्ठा में वृद्धि करना चाहता था।**
- फिरोज तुगलक ने – **धार्मिक व्यक्तियों को दी जाने वाली करमुक्त भूमि को पुनः स्थापित किया, शरा द्वारा अस्वीकृत सभी करों को समाप्त कर दिया, शिक्षकों को दिया जाने वाला अनुदान तथा विद्यार्थियों को दी जाने वाली छात्रवृति बढ़ा दी।**
- वह प्रथम सुल्तान जिसने धर्म को राज्य के नियन्त्रण में लाने का प्रयास किया – **अलाउद्दीन खिलजी**
- मध्यकालीन राजनीतिक विचारों द्वारा प्रतिपादित अद्‌ल का सिद्धान्त क्या व्यक्त करता था – **न्याय**
- बलबन ने अपने दरबार में फारसी रीति एंव शिष्टाचार क्यों लागू किया था – **सुल्तान की गरिमा बढ़ाने हेतु**
- किस सुल्तान ने 'नियाबत–ए–खुदाई' (ईश्वर का प्रतिनिधि) तथा 'जिलिल्लाह' (ईश्वर की छाया) की उपाधियॉ धारण की – **बलबन ने**
- निजामुद्दीन औलिया से शत्रुता मानने वाला सुल्तान था – **गियासुद्दीन तुगलक**
- किस सुल्तान ने जिन प्रभा सूरि से आधी रात तक बातचीत की – **मुहम्मद बिन तुगलक**
- निजामुद्दीन औलिया ने यह किस सुल्तान को कहा था कि 'हनूज दिल्ली दूर अस्त' (दिल्ली अभी दूर है।) – **गियासुद्दीन तुगलक**
- दिल्ली सल्तनत में 'दीवान–ए–अमीर कोही' की स्थापना किसने की – **मुहम्मद तुगलक ने**
- किस सुल्तान के विरूद्ध हाजी मौला ने विद्रोह किया था – **अलाउद्दीन खिलजी**
- अलाउद्दीन खिलजी के अनुसार किसी भी विद्रोह के सामान्यतः चार कारण होते थे – **गुप्तचर विभाग की विफलता, मद्यपान का सामान्य रिवाज, अमीरों में सामाजिक मेल–मिलाप तथा परस्पर विवाह सम्बन्ध और कुछ लोगों के पास अत्यधिक धन होना।**
- विंध्याचल पर्वत को पार करने वाला प्रथम तुर्क विजेता था – **अलाउद्दीन खिलजी**
- सीमान्त क्षेत्र के उग्र निवासी जिन्होंने महमूद गजनवी तथा मुहम्मद गौरी दोनों के लिए समस्याएँ पैदा की, थे – **खोखर**
- किस सुल्तान के काल में 1336 में विजयनगर तथा 1347 में बहमनी राज्य अस्तित्व में आये – **मुहम्मद तुगलक** (विजयनगर राज्य की स्थापना हरिहर और

Govind Baiya 8769405262

बुक्का नामक दो भाईयों तथा बहमनी राज्य की स्थापना हसन गंगू ने की थी।)

- किस सुल्तान द्वारा बेरोजगारों के लिए रोजगार दफ्तर और अनाथ मुसलमान लड़कियों के विवाह व विधवाओं की आर्थिक सहायता के लिए दीवान–ए–खैरात की स्थापना की गई – **फिरोज तुगलक**
- वह विषय क्षेत्र, जो हिन्दूओं द्वारा अपेक्षाकृत उपेक्षित रहा लेकिन वहॉ मुसलमान लेखकों ने अपनी निपुणता दिखाई –**इतिहास**
- तुर्क अपने साथ वाद्य यंत्र लाये – **रबाब और सांरगी**
- सल्तनतकाल में भारत में किन–किन तकनीकों का विकास हुआ – **कागज, रहट और चरखा**
- बरनी के अनुसार फिरोजशाह के शासनकाल में शांति एवं समृद्धि के लिए उत्तरदायी कारण था – **अधिकारियों की योग्यता**
- किस सुल्तान को खलिफा से 'सैयद–उस–सलातीन' की पदवी प्राप्त हुई थी – **फिरोज तुगलक को**
- सल्तनत काल में महदवियों के विद्रोह का दमन किया था – **फिरोज तुगलक ने**
- कौनसा विदेशी यात्री दिल्ली का काजी बना – **इब्नबतूता** (यह दक्षिण अफ्रीका में मोरक्कों का निवासी था जो 1333 में मुहम्मद तुगलक के समय दिल्ली आया था।)
- 'तुर्कल्लाह' की पदवी दी गई है – **अमीर खुसरो को**
- तुर्कों के विरूद्ध लगातार युद्धों में पराजय के बाद आत्महत्या करने वाला अजमेर का चौहान राजा था – **हरिराज**
- किस राज्य को दिल्ली के सुल्तान बहलोल लोदी ने 1484 में अधिग्रहीत कर लिया था – **जौनपुर को**
- सल्तनत काल में गुप्तचरों को कहा जाता था – **बरीद**
- अलाउद्दीन खिलजी के समय विभिन्न स्थानों के विजेता सेनापति थे – **रणथम्भौर विजय–उलूग खॉ और नूसरत खॉ, मॉडू विजय–आइन–उल–मुल्क मुल्तानी, जालोर विजय–कमालुद्दीन गुर्ग, दक्षिण विजय–मलिक काफूर**
- यह किस लेखक का कथन था ''जब मुहम्मद तुगलक की मृत्यु हुई तो वह अपनी प्रजा से मुक्त हो गया और उसकी प्रजा उससे मुक्त हो गई – **बदायूंनी**
- बरनी किस सुल्तान का नदीम (जिंदा दिल साथी) था – **मुहम्मद तुगलक का**
- रक्त और लौह नीति के लिए कौनसा सुल्तान प्रसिद्ध था – **बलबन**
- किस उद्देश्य से इल्तुतमिश ने खलीफा से अधिकार–पत्र प्राप्त किया – **सत्ता पर पकड़ मजबूत करने हेतु**
- 'उर्दू–ए–मुअल्ला' का अभिप्राय था – **शाही शिविर**
- लाहौर में गजनी वंश का अंतिम शासक था – **खुसरो मलिक**
- महमूद गजनवी के आक्रमण के समय हिन्दू शाही राज्य की राजधानी कहॉ थी – **उद्भाण्डपुर (ओहिन्द)**
- इल्तुतमिश द्वारा 'रावत–ए–अर्ज' की पदवी दी गई – **इमादुलमुल्क को**
- किस शासक के काल में एतगीन को नियुक्त करने के लिए नायब का पद बनाया गया – **मुईजुद्दीन बहरामशाह के समय**
- दिल्ली सल्तनत में कुल किसने वंश हुए – **पांच**
- चित्तौड़ का कीर्तिस्तम्भ, जिसे 'हिन्दू देवशास्त्र का चित्रित कोश' कहा गया है, किसके द्वारा निर्मित है – **महाराणा कुम्भा द्वारा**
- किस सूफी संत ने चिन्तामणि भट्ट की शुक–सप्तति का तूतीनामा नामक फारसी कृति में अनुवाद किया – **ख्याजा जियाउद्दीन नक्शवी**
- 'किताब–ए–नौरस' में अपलब्ध कविताऍ, जो विभिन्न रोगों में गायन हेतु थीं, किसके द्वारा रची गई – **बीजापुर के सुल्तान इब्राहिम आदिलशाह द्वितीय**
- मध्यकालीन भारत में कलन्दर कौन थे – **घूमन्तू दर्वेश**
- किस शासक के काल में काजी मुगिस सद्र–उस–सद्र (मुख्य काजी) नियुक्त किए गए – **अलाउद्दीन खिलजी**
- अमीर खुसरो ने जलालुद्दीन खिलजी के सैनिक अभियानों का वर्णन अपनी किस रचना में किया है – **मिफ्ता–उल–फुतूह**
- बलबन ने राजत्व का सिद्धान्त कहॉ से ग्रहण किया – **सासानी पर्शिया (फारस–ईरान)**
- अलाउद्दीन खिलजी का राजत्व सिद्धान्त था – **राजाओं के दैवी अधिकार**
- फिरोज तुगलक द्वारा प्रारम्भ जागीरदारी प्रथा का महत्वपूर्ण परिणाम था – **तुगलक वंश का पतन**
- वेतन के स्थान पर जागीर प्रथा को पुनर्स्थापित किया – **फिरोज तुगलक**
- दिल्ली सल्तनत में सबसे अधिक समय तक तुगलक वंश ने शासन किया जबकि सबसे कम शासन किया – **खिलजी वंश ने**
- फारसी का होमर – **फिरदौसी**
- महमूद गजनवी के साथ भारत आने वाला विद्वान – **अलबरूनी**
- किस सुल्तान ने शिक्षा में व्यावसायिक पाठ्यक्रम चलाया – **फिरोज तुगलक ने**

Govind Bajiya 8769405262

- किस पुस्तक में सल्तनतकालीन प्रशासनिक व्यवस्था और आदर्श मुसलमान शासक के गुणों का वर्णन किया गया है – **बरनी की पुस्तक फतवा–ए–जहॉदारी में**
- किस सुल्तान ने स्वयं घूसखोरी को बढ़ावा दिया – **फिरोज तुगलक ने** (इतिहासकार अफीफ एक ऐसे घुड़सवार का उल्लेख करता है जिसे सुल्तान ने अपने खजाने से एक टंका दिया ताकि वह रिश्वत देकर अर्ज सें अपने घोड़ें पास करवा सके।)
- बलबन द्वारा शासक पद की शक्ति और प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित करने के लिए कौन से उपाय किए गये – **उसने इरानी पौराणिक वीर अफरासियाब का वंशज होने का दावा किया और सिजदा व पैबोस जैसी ईरानी परम्पराओं को अपनाया।**
- अमीर खुसरों ने नूह सिपहर की रचना की – **भारत व मुबारक खिलजी की प्रशंसा में**
- बहलोल लोदी का राजत्व सिद्धान्त बंधुता पर आधारित था, क्योंकि वह – **अफगान जनजातीय भावनाओं का आदर करता था।**
- अमीर खुसरो के अनुसार शतरंज का आविष्कार हुआ था – **भारत में**
- मुहम्मद तुगलक के सुधार असफल क्यों हो गए – **क्योंकि उन्हें गलत ढ़ंग से लागू किया गया**
- मुहम्मद तुगलक की योजनायें थी – **खुरासन विजय, कराचिल अभियान, सांकेतिक मुद्रा, राजधानी परिवर्तन और दोआब में कर वृद्धि**
- दिल्ली सल्तनत राज्य का विस्तार किस सुल्तान के समय में सर्वाधिक था – **मुहम्मद तुगलक**
- लोदी वंश के शासक थे – **अफगान**
- आर. पी. त्रिपाठी के अनुसार लोदी शासकों का राजत्व सिद्धान्त आधारित था – **समानता पर**
- जौहर प्रथा का प्रचलन था – **राजपूतों में**
- 13वीं शताब्दी के शासक किस वंश का है – **तुर्क वंश के**
- इस्लाम में शरियत का सम्बन्ध है – **कानून व न्याय से**
- दिल्ली सल्तनत की स्थापना की पारम्परिक तिथि थी – **1206**
- खिलजी वंश के शासन की स्थापना होना **'खिलजी क्रांति'** कहा जाता है, क्योंकि – **इस समय से तुर्क अभिजात वर्ग की सत्ता के एकाधिकार की समाप्ति हो गई, खिलजी सुल्तान ने राज्य को राजनीतिक एकरूपता प्रदान की तथा साम्राज्यवादी और आर्थिक नीतियों में उग्र और प्रबल परिवर्तन हुए।**
- कौन सा सुल्तान सबसे अधिक विद्वान, विवादास्पद और पागल कहलाता था – **मुहम्मद तुगलक**
- दिल्ली सल्तनत के शासकों में किसका राजत्व का सिद्धान्त प्रतिष्ठा, शक्ति और न्याय पर आधारित था – **बलबन**
- जागीर प्रथा से क्या हुआ – **अधिकारों का विकेन्द्रकरण, राजतंत्र की दुर्बलता और सामन्तवर्ग की शक्ति वृद्धि**
- इतलाक, एक प्रकार की हुण्डी जिसकी सहायता से राजकीय सिपाही राज्य के राजस्व अधिकारियों से अपना वेतन प्राप्त करने में समर्थ था, की प्रथा चलाई – **फिरोज तुगलक ने**
- सुल्तान फिरोज तुगलक के शासन काल में हिसामुद्दीन जुनैदी द्वारा आकलित दिल्ली सल्तनत का कुल जमा था – **छह करोड़ पचहत्तर लाख**
- हिन्दी में कविता और पहेलियॉ लिखने वाला प्रथम मुस्लिम कवि था – **अमीर खुसरो**
- वह सुल्तान जिसने तैमूर और शाहरूख का नाम अपने सिक्कों पर अंकित करवाया था – **खिज्र खॉ**
- 'इक्ता' का अर्थ था एक भू–भाग जो – **सैनिक सेवा के बदले में दिया जाता था।**
- किस सुल्तान ने किसानों के ऊपर से अधिकाधिक कष्टकारी कर हटा लिए थे – **फिरोज तुगलक ने**
- 'खलीफतुल्ल अल्लाह' की उपाधि धारण की – **मुबारकशाह खिलजी**
- मुहम्मद तुगलक के समय विद्रोह के सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारणों में अति–महत्व का कारण था – **वह उलेमाओं के विरूद्ध निर्णय देता था।**
- सुल्तान नासिरूद्दीन की सेवा में रहने वाला एक भारतीय मुसलमान अमीर, जिसने बलबन की साजिशों से सर्वोच्च पद खो दिया था, कौन था – **इमादुद्दीन रैहान**
- राजकार्यो में सबसे पहले उलेमाओं का विरोध किया – **अलाउद्दीन खिलजी**
- निजामुद्दीन जुनेदी प्रसिद्ध वजीर था – **इल्तुतमिश का**
- सुल्तान फिरोजशाह तुगलक ने अपने खुतबे में किस प्रसिद्ध सुल्तान का नाम सम्मिलित नहीं किया – **कुतुबुद्दीन ऐबक का**
- सिकन्दर लोदी ने – **भू–राजस्व निर्धारिण हेतु भूमि को नापा, एक अनुवाद विभाग की स्थापना की और अन्न पर से जकात कर समाप्त कर दिया।**
- आलमखाना किस कारखाने से सम्बन्धित था – **पताकाओं से सम्बन्धित**
- किस सुल्तान ने सर्वप्रथम मुस्लिम स्त्रियों को दिल्ली के बाहर स्थित मजारों पर जाने पर प्रतिबन्ध लगा दिया – **फिरोज तुगलक**
- इतिहासकार जियाउद्दीन बरनी के अनुसार दिल्ली का आदर्श सुल्तान था – **फिरोज तुगलक**

Govind Bajiya 8769405269

- किस इतिहासकार ने सल्तनतकालीन डाक व्यवस्था का विस्तृत वर्णन किया है – **इब्नबतूता**
- अपने राज्यारोहण के ठीक पूर्व मुक्ति के रूप में सुल्तान इल्तुतमिश के पास कौन सा इक्ता था – **बदायूँ**
- किन सुल्तानों ने ईरान की राजतंत्रीय परम्पराओं को ग्रहण किया तथा उन्हें भारतीय वातावरण में समन्वित किया – **इल्तुतमिश और बलबन ने** (रजिया को अपना उत्तराधिकारी चुनते समय इल्तुतमिश ने ईरानी परम्परा से ही प्रेरणा ग्रहण की थी, जहाँ पिता के बाद पुत्री के सिंहासनारोहण होने के उदाहरण प्राप्त होते है।)
- भारत से दासों के निर्यात पर प्रतिबन्ध लगाया – **फिरोज तुगलक ने**
- कहाँ के सुल्तानों को सुल्तान–उश्–शर्क कहा जाता है – **जौनपुर**
- शर्की साम्राज्य की स्थापना किसने की – **मलिक सरवर ने**
- वह कौनसा सुल्तान था जिसने होली के त्यौंहार में पहली बार भाग लिया था – **मुहम्मद तुगलक**
- दिल्ली को राजधानी बनाने वाला सुल्तान था – **इल्तुतमिश**
- दिल्ली से राजधानी देवगिरी (दौलताबाद) परिवर्तित करने वाला शासक – मुहम्मद तुगलक
- सुल्तान मुईजुद्दीन मुहम्मद गौरी ने भारत में पहला आक्रमण किस स्थान पर किया था – **मुल्तान (1175)**
- सुल्तान इल्तुतमिश के काल में न्याय चाहने वाले व्यक्ति को किस रंग के कपड़ें पहनने पड़ते थे – **लाल रंग के**, रजिया भी दिल्ली की जनता से न्याय मांगने के समय लाल कपड़ों में ही थी।
- काजी मुगीसुद्दीन को यह किसने कहा था कि 'मैं इस बात की चिन्ता नहीं करता कि कोई नियम शरियत सममत है या नहीं, मैं वहीं करता हूँ जो राज्य के हित में उचित समझता हूँ।' – **अलाउद्दीन खिलजी**
- किस साहित्यकार ने आठ सुल्तानों का शासनकाल देखा – **अमीर खुसरो** (बलबन, कैकुबाद, क्यूमर्श, जलालुद्दीन खिलजी, अलाउद्दीन खिलजी, मुबारकशाह, खुसरोशाह और ग्यासुद्दीन तुगलक)
- किस सुल्तान की माता विद्वानों एवं पवित्रजनों को उपहार एवं दान देने के लिए प्रसिद्ध थी – **रूक्नुद्दीन फिरोजशाह की माता शाहतुर्कान**
- किसने 'कुरान खॉ' और 'लाखबख्श' की उपाधियॉ धारण की – **कुतुबुद्दीन ऐबक (1206–10) ने**
- इतिहासकार मिनहाज सिराज के अनुसार दिल्ली का आदर्श सुल्तान कौन था – **नासिरूद्दीन महमूद**
- 'उश्री भूमि' के स्वामी कौन थे – **तुर्की मुस्लिम**
- वह दिल्ली सुल्तान, जिसके यहॉ चीन के मंगोल सम्राट का एक शिष्टमण्डल कुछ बौद्ध मंदिरों को देखने की अनुमति के लिए आया था – **मुहम्मद तुगलक**
- विवाह विभाग की स्थापना की थी – **फिरोज तुगलक ने**
- अलाउद्दीन खिलजी ने किस हिन्दू शासक को 'रायरायान' की उपाधि प्रदान की थी – **देवगिरि के शासक रामचन्द्र देव को**
- इलतुतमिश ने खलिफा से खिलअत किस वर्ष में प्राप्त की – **1229 में**
- इल्तुतमिश द्वारा स्थापित चालीसा दल/तुर्कान–ए–चिहिलगानी का अंत किस सुल्तान ने किया – **बलबन ने**
- किस राजवंश के अन्तर्गत 'विजारत' का सर्वाधिक विकास हुआ – **तुगलक वंश**
- कौन–सा भारतीय वाद्ययंत्र भारतीय इस्लामी समन्वय का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है – **सितार**
- किस शासक ने अपने को खलीफा घोषित किया – **मुबारकशाह खिलजी**
- दासों की देखरेख करने के लिए अलग से विभाग किस सुल्तान के काल में बनाया गया – **फिरोज तुगलक**
- अफगानपुर में अस्थाई लकड़ी के मण्डप का रचियता कौन था – **अहमद अयाज** (इब्नबतूता के अनुसार गियासुद्दीन तुगलक की मृत्यु इस मण्डप के ढ़हने से हुई थी जबकि बरनी के अनुसार उसकी मृत्यु बिजली गिरने से हुई थी।)
- दिल्ली का एकमात्र सुल्तान जिसने ब्राह्मणों पर भी जजिया कर लगाया – **फिरोज तुगलक**
- दिल्ली का प्रथम सुल्तान जिसने दरबार में गैर–इस्लामी प्रथाओं का प्रचलन प्रारम्भ किया – **बलबन**, उसने सिजदा (झूक कर सलाम करना) और पैबोस (सुल्तान के पैरों को चुमना) जैसी फारसी प्रथाऐं और नौरोज (फारसी नववर्ष) नामक त्यौंहार मनाना प्रारम्भ किया था।
- राजत्व के सिद्धान्त एवं प्रशासनिक सिद्धान्तों के संकलन 'वसैय्या' किस सुल्तान ने जारी किया – **बलबन**, बलबन के वसैय्या का संकलन बरनी ने किया है।
- दास प्रथा को बढ़ावा दिया – **फिरोज तुगलक** (ने सर्वाधिक), इल्तुतमिश और बलबन ने
- रजिया के पतन का वास्तविक कारण था – **तुर्क अमीरों की महत्वाकांक्षा**, जबकि मिनहाज सिराज ने उसके पतन का कारण उसका महिला होना माना है।
- अलाउद्दीन खिलजी की राजस्थान व मलिक काफूर की दक्षिण विजयों की जानकारी अमीर खुसरो की किस रचना से प्राप्त होती है – **खजाइन–उल–फुतूह**, इसी का दूसरा नाम तारीख–ए–अलाई है।

Govind Bajiya 8769405262

- किसको हजारदीनारी की पदवी दी गई थी – **मलिक काफूर को**
- प्रथम सुल्तान जिसने स्थाई सेना का गठन किया – **अलाउद्दीन खिलजी**
- मंगोल आक्रमणकारी कुतलुग ख्वाजा ने भारत में किस सुल्तान के काल में आक्रमण किया – **अलाउद्दीन खिलजी**
- बलबन अपने राज्य क्षेत्र का विस्तार नहीं कर पाया, क्योंकि – **वह मंगोल आक्रमण के भय के कारण अधिकांश समय अपने राज्य की सुरक्षा में ही लगा रहा।**
- किस सुल्तान के काल में दिल्ली सल्तनत के अमीर वर्ग के लिए 'खान' की पदवी आरम्भ की गई – **बलबन**
- बलबन द्वारा बंगाल में किसके विद्रोह का दमन किया गया – **तुगरिल खान**
- सिकन्दर लोदी की मृत्यु किस वर्ष में हुई – **1517**
- दिल्ली सल्तनत में सीधे राजकीय नियन्त्रण में रहने वाली सेना को कहा जाता था – **हश्मे कल्ब**
- कौनसा प्रसिद्ध सुल्तान एक कुशल सेनानायक नहीं था – **फिरोज तुगलक**
- फिरोज तुगलक को उसके दोनों बंगाल अभियानों में मिली – **असफलता**
- दिल्ली सुल्तान की राज्य सत्ता का मूल स्त्रोत था – **सैन्य शक्ति**
- सुल्तानों के काल में सेना का सबसे महत्वपूर्ण अंग था – **अश्व सेना**
- अलाउद्दीन खिलजी और बलबन दोनों ने – **मंगोलों आक्रमणों का सामना किया।**
- अलाउद्दीन खिलजी का दक्षिण के राज्यों पर आक्रमण का मुख्य उद्देश्य था – **धन प्राप्त करना**
- किस सुल्तान की उपाधि द्वितीय सिकन्दर थी – **अलाउद्दीन खिलजी** (मूल नाम – अली गुरस्साप)
- अलाउद्दीन खिलजी – **विश्व विजेता बनना चाहता था और एक नवीन धर्म चलाना चाहता था।**
- किस सुल्तान के समय सर्वाधिक मंगोल आक्रमण हुए – **अलाउद्दीन खिलजी**
- अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति – **अल्प खॉ, उलगू खॉ, नुसरत खॉ और जफर खॉ** (इसे युग का हीरो कहा जाता था और मंगोलों के विरूद्ध लड़ते हुए मारा गया।)
- तैमूर ने 1398 में तुगलग वंश के किस सुल्तान के शासनकाल में भारत पर आक्रमण किया था – **नासिरूद्दीन महमूद के**
- दीवान–ए–आरिज नामक विभाग का सृजन किया – **बलबन ने**
- पीर मुहम्मद था – **तैमूर का पौता**
- गोरी की विजय से पूर्व मुसलमान शासक थे – **सिंध में**
- 'प्रत्येक अवस्था में मृत्यु उसका वरण (बालिका का) करने को प्रस्तुत है, उषाकाल में पोस्त के माध्यम से, पकी हुई आयु में अग्निज्वाला के माध्यम से।' राजपूत महिलाओं के बारे में यह कथन है – **कर्नल जेम्स टॉड का**
- कौनसा एक नगर मध्यकाल में दक्षिण भारत में धातु–जड़ाई कला के लिए प्रसिऋ था – **तंजोर**
- वारंगल का स्वतन्त्र राज्य 15 वीं शताब्दी के आरम्भ में किसके द्वारा अधिग्रहण के फलस्वरूप समाप्त हो गया – **अहमदशाह**
- अलाउद्दीन खिलजी की विजय में मुख्य योगदान किस सेनापति का था – **मलिक काफूर का**
- किस भवन में चतुष्केन्द्रीय मेहराब (ट्यूडर मेहराब) का एक प्रमुख वास्तु तत्व के रूप में प्रयोग किया गया है – **कुव्वतुल इस्लाम मस्जिद**
- अमीर खुसरो द्वारा प्रारम्भ की गई संगीत पद्धतियॉ – **ख्याल, कौल और तराना**
- ''अपधर्मी को अपधर्म, परम्परावादी को धर्म, किन्तु इत्र विक्रेता के हृदय को गुलाब पंखुड़ी का पराग प्रिय होता है।'' यह पंक्ति है – **अमीर खुसरो की**

सल्तनतकालीन साहित्य का विकास

- फुतूह–उस–सलातीन – इसामी
- तबकात–ए–नासिरी – मिनहाज सिराज
- शाहनामा – फिरदौसी
- ताजुल मासिर – हसन निजामी
- नूह सिपहर,, तुगलकनामा – अमीर खुसरो
- मृगावती – कुतबन
- मुन्तखब–उल–लुबाब – खाफी खॉ
- मुन्तखब–उत–तवारिख – बदायूँनी
- चंदायन – मुल्ला दाऊद
- सियासतनामा – निजाम उल मुल्क तुसी
- खैर–उल–मजलिस – हमीद कलन्दर
- तारीख–ए–सुबुक्तगीन – बैहाकी
- पृथ्वीराज रासो – चन्दबरदाई (पृथ्वीराज चौहान का दरबारी)
- रेहला – इब्नबतूता (इसे दिल्ली का काजी बनाया गया)
- तारीख–ए–फिरोजशाही – **बरनी** (शम्से–सिराज अफीफ ने भी इसी नाम से एक अन्य पुस्तक लिखी।)

Govind Bajiya 8764052622

- तारीख–ए–मुबारकशाही – **याहिया–बिन–सरहिन्दी** (सैय्यद वंश के शासक मुबारकशाह के संरक्षण में लिखा।)
- सिंध पर अरब आक्रमण का विस्तृत विवरण प्राप्त होता है – **चचनामा से**
- मुहम्मद गौरी की भारतीय विजयों तथा नवस्थापित तुर्की राज्य का प्रत्यक्ष विवरण किस ग्रंथ में प्राप्त होता है – **तबकात–ए–नासिरी**
- उस इतिहासकार का नाम बताईये जिसने भारत का विवरण बिना यहां आये हुए ही लिखा – **शिहाबुद्दीन अल उमरी**
- किस एक इतिहासकार को मंगोलों द्वारा बंदी बना लिया गया था – **अमीर खुसरो**
- बलबन की सार्वभौमिकता तथा राजकीय नीति को जानने के लिए मूल स्त्रोत है – **बरनी की पुस्तक तारीख–ए–फिरोजशाही**
- संस्कृत स्त्रोतों से संग्रहीत तिब्ब–ए–सिकन्दरी का विषय था – **आयुर्विज्ञान/चिकित्सा ग्रंथ,** तिब्ब–ए–सिकन्दरी को सुल्तान सिकन्दर लोदी के प्रधानमंत्री मियॉ भूआ ने लिखा था।
- किस सुल्तान ने 'गुलरूखी' उपनाम से अनेक कविताएँ लिखी – **सिकन्दर लोदी**
- मध्यकालीन भारतीय इतिहास के फारसी स्त्रोत अधिकांशतः – **दरबार की घटनाओं के बारे में था।**
- मध्यकालीन भारत का इतिहास किस भाषा में लिखा गया है – **फारसी में** (फारसी सल्तनत काल की राजकीय की भाषा थी।)
- किस सुल्तान के शासनकाल में 'रागदर्पण' नामक भारतीय पुस्तक का फारसी में अनुवाद किया गया था – **फिरोज तुगलक**
- प्रथम मुसलमान गौरवग्रंथ है – **आदाब–उल–सलातीन**
- भारत में कागज पर लिखी सबसे पुरानी पाण्डुलिपि 1223–24 की है, जो मिली है – **गुजरात से**
- फुतूहात–ए–फिरोजशाही का लेखक – **फिरोजशाह तुगलक** (आत्मकथा लिखने वाला एकमात्र सुल्तान)
- किताब–उल–हिन्द/तहकीक–ए–हिन्द (इस पुस्तक का अंग्रेजी अनुवाद सचाउ ने किया है।) के लेखक का नाम – **अलबरूनी**
- पद्मिनी की कहानी का उल्लेख किया गया है – **मलिक मुहम्मद जायसी द्वारा** शेरशाह के समय लिखा गया पद्मावत, अमीर खुसरो ने भी इस कहानी का अपनी रचना खजाईन–उल–फुतूह में इस कहानी का प्रतिकात्मक विवरण दिया है।
- अमीर खुसरो ने किसके आदेश पर अपनी प्रसिद्ध मसनवी 'आशिका' लिखी थी – अलाउद्दीन खिलजी के पुत्र **खिज्र खॉ के आदेश पर**, इस मसनवी में खिज्र खॉ और गुजरात के राजा कर्ण की पुत्री देवलरानी की प्रेमकथा का वर्णन है।

सल्तनतकालीन स्थापत्य कला

- अजमेर में कुतुबुद्दीन ऐबक द्वारा बनवाई गई 'अढ़ाई दिन का झौंपड़ा' मस्जिद में किस नाटक के अवशेष दबे पड़े है – **विग्रहराज चतुर्थ (बीसलदेव) द्वारा रचित 'हरिकेलि' नाटक के**
- स्थापत्य कला में गुम्बद को आधार प्रदान करने के लिए सबसे पहले भित्ति मेहराब प्रणालियों का प्रयोग किया गया – **अलाई दरवाजे में**
- वास्तविक मेहराब का प्रयोग सबसे पहले किस मकबरे में किया गया है – **बलबन के मकबरे में**
- गियासुद्दीन तुगलक के मकबरे की विशेषता है – **ढलवॉ दीवारें (निप्रवण)**
- किस सुल्तान ने दिल्ली के चौथे नगर 'जहॉपनाह' का निर्माण करवाया – **मुहम्मद तुगलक**
- मदरसा–ए–मुइज्जी और मदरसा नासिरी की स्थापना करवाई – **इल्तुतमिश ने**
- सुल्तानगढ़ी किसका मकबरा है – **इल्तुतमिश के पुत्र नसीरूद्दीन महमूद का**
- फिरोजाबाद, हिसार, फिरोजपुर, जौनपुर आदि नगरों की स्थापना किस सुल्तान द्वारा की गई – **फिरोज तुगलक**
- सिकन्दर लोदी ने आगरा नगर की स्थापना की, क्योंकि – **वह राजपूताना व मालवा क्षेत्र में सैनिक कार्यवाही करने हेतु उचित आधार तैयार करना चाहता था।**
- अजमेर का ढ़ाई दिन का झौंपड़ा मस्जिद का निर्माता – **कुतुबुद्दीन ऐबक**
- दिल्ली का हौज–ए–खास का निर्माता – **इल्तुतमिश**
- आदिलाबाद का किला बनवाया – **मुहम्मद तुगलक ने**
- बदायूँ की जामा मस्जिद का निर्माण करवाया – **इल्तुतमिश ने**
- कुव्वत–उल–इस्लाम मस्जिद का निर्माता – **कुतुबुद्दीन ऐबक**
- अलाई दरवाजा का निर्माता – **अलाउद्दीन खिलजी**
- जौनपुर की अटाला मस्जिद का निर्माता – **इब्राहीम शाह शर्की**
- टोपरा और मेरठ से अशोक के शिलालेखों को दिल्ली लाने वाला सुल्तान था – **फिरोज तुगलक**

Govind Bajiya 8769405262

- कुतुबमीनार है एक – **मुसलमानों को नमाज के लिए मुअज्जिन द्वारा पुकारने की मीनार** (कुतुबमीनार का निर्माण कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी नामक प्रसिद्ध सूफी संत की स्मृति में कुतुबुद्दीन ऐबक द्वारा प्रारम्भ तथा इल्तुतमिश द्वारा पूर्ण करवाया गया। आरम्भ में इसमें केवल चार मंजिलें थी किन्तु मीनार का शीर्ष विद्युतपात के कारण क्षतिग्रस्त हो गया, जिसकी फिरोज तुगलक ने मरम्मत करवाई एवं इसमें एक पांचवी मंजिल और जोड़ दी।)
- भारत में गुम्बद और मेहराब का व्यापक प्रयोग तुर्को के आगमन से प्रारम्भ हुआ, इससे पूर्व – **कुषाणकालीन मेहराब और गुम्बद के साक्ष्य भी प्राप्त होते है**
- भारत की पहली तुर्की मस्जिद थी – **कुव्वत–उल–इस्लाम** (कुतुबुद्दीन ऐबक द्वारा बनवाई गई इस मस्जिद का विस्तार इल्तुतमिश और अलाउद्दीन खिलजी के द्वारा करवाया गया।)
- विजय स्तम्भ कहॉ स्थित है – **चित्तौड़गढ़ में**
- तुगलकाबाद के किले का निर्माण किसने करवाया – **गियासुद्दीन तुगलक ने**
- 1202 में नालन्दा विश्वविद्यालय किसने नष्ट कर दिया था – **इख्तियारूद्दीन बिन बख्तियार खलजी**
- अष्टभुजीय मकबरों की शुरूआत किस मकबरे से हुई – **खानेजहॉ तेलंगानी के मकबरे से** (अन्य अष्टभुजी मकबरों में प्रसिद्ध है – सिकन्दर लोदी का मकबरा, सासाराम (बिहार) में झील के बीच बना शेरशाह का मकबरा, इस्लामशाह सूर का मकबरा आदि।)
- किस सुल्तान के मकबरे से दोहरे गुम्बद के मकबरों का प्रचलन हुआ – **सिकन्दर लोदी**
- कौनसा नगर लोदी शासकों की राजधानी था – **आगरा**
- किन सुल्तानों ने बहराइच में सैयद सालार मसूद गाजी की दरगाह की यात्रा की थी – **मुहम्मद बिन तुगलक और फिरोज तुगलक ने**
- लोदी स्थापत्य का सर्वश्रेष्ठ नमूना – **मोठ की मस्जिद, इसे सिकन्दर लोदी के वजीर ने बनवाया था**
- भारत में सच्चे गुम्बद वाली प्राचीनतम अवशिष्ट इमारत – **अलाई दरवाजा**
- मोहम्मद तुगलक के सम्मान में फिरोज तुगलक ने कौनसा नगर बसाया – **जौनपुर**
- चित्तौड़ का नाम बदलकर खिज्राबाद किस सुल्तान द्वारा किया गया – **अलाऊद्दीन खिलजी द्वारा**
- अलाऊद्दीन खिलजी ने दिल्ली में सीरी दुर्ग का निर्माण करवाया, क्योंकि – **वह मंगोलों से दिल्ली को सुरक्षित करना चाहता था।**
- इस्लामी वास्तुकला हिन्दू और बौद्ध वास्तुकला से किस प्रकार भिन्न थी – **मेहराब और गुम्बद का प्रयोग इस्लामी वास्तुकला में हुआ।**
- भारत में चूने का गारा बनाने की तकनीक का आरम्भ किया गया – **तुर्कों के द्वारा**, तुर्क ही कुषाणों के बाद भारी पैमाने पर मेहराब बनाने की तकनीक लाये।
- सल्तनतकाल में कला और स्थापत्य कला मिश्रण था – **भारतीय और इस्लामी शैली का**
- इण्डो–इस्लामिक कला का सबसे पहला उदाहरण है – **कुव्वत–उल–इस्लाम**

सल्तनतकालीन आर्थिक गतिविधियॉ

- सल्तनत काल में क्षेत्रिय राजस्व समानुदेशन को कहा जाता था – **इक्ता**
- प्रथम सुल्तान जिसने दोआब की आर्थिक क्षमता को समझा – **इल्तुतमिश**
- मुहम्मद तुगलक के खिलाफ दोआब में विद्रोह का प्रमुख कारण था – **ग्रामीण इलाकों में कर वृद्धि**
- फिरोज तुगलक द्वारा दिल्ली की गद्दी पर राज्यारोहण के उपरान्त समाप्त किए गए कृषि उपकर क्या कहलाते थे – **अबवाव**
- जैन संत जम्बूजी को भू–अनुदान प्रदान करने वाला सुल्तान – **मुहम्मद तुगलक**
- नहर का निमार्ण सबसे पहले ग्यासुद्दीन तुगलक द्वारा करवाया गया। जबकि नहरों के व्यापक निर्माण के लिए प्रसिद्ध था – **फिरोज तुगलक**
- फिरोज तुगलक द्वारा सिंचाई व्यवस्था से सर्वाधिक लाभ किस क्षेत्र को प्राप्त हुआ – पंजाब
- अलाउद्दीन खिलजी ने भू–राजस्व व्यवस्था स्थापित की – **भूमि की माप के आधार पर उपज का आधा भाग**
- किस सुल्तान ने सबसे छोटे किसान से लेकर ग्रामीण बिचौलिए वर्ग तक सब पर भूमि कर की एक समान दर लागू की – **अलाउद्दीन खिलजी**
- बटांई, गल्लाबख्शी अथवा भाओली के नाम से पहचानी जाने वाली भू–राजस्व आंकलन विधि वस्तुतः ऐसी पद्धति थी जो फसल बंटवारे को नियत करती थी – **कुल पैदावार के आधार पर**
- किस सुल्तान ने सस्यावर्तन (फसलों को बदल–बदलकर बोना) की पद्धति का अनुमोदन किया – **मुहम्मद तुगलक**
- दिल्ली सल्तनत में भू–राजस्व के लिए सर्वोच्च ग्रामीण सत्ता थी – **चौधरी**

Govind Bajiya 8769405262

- भूमि की माप के आधार पर भू–राजस्व का निर्धारण और प्रति बिस्वा उपज का आकलन सबसे पहले किया गया – **अलाउद्दीन खिलजी**
- किस सुल्तान ने सल्तनत काल में मूल्य नियन्त्रण, सर्वप्रथम दक्षिण भारतीय अभियान व उलेमाओं पर नियन्त्रण किया – **अलाउद्दीन खिलजी**
- सल्तनत काल में राज्य का प्रमुख स्त्रोत था – **भू–राजस्व**
- भू–राजस्व में रूचि लेने वाला सुल्तान – **अलाउद्दीन खिलजी**
- अलाउद्दीन खिलजी द्वारा राजस्व एकत्र करने वाले अधिकारियों के नाम बकाया राशि की जॉच करने और वसूल करने के लिए किस विभाग की स्थापना की गई – **दीवान–ए–मुस्तखराज**
- फिरोज तुगलक ने उपज का 1/10 भाग भू–राजस्व के रूप में वसूल किया – **उशरी भूमि से**
- किस सुल्तान ने अपने समय की उत्तर भारत की सबसे लम्बी नहर का निर्माण कराया, जो आज भी उपयोगी है – **फिरोज तुगलक ने**
- किस कारण अलाऊद्दीन खिलजी के समय किसानों के कष्ट बढ़ गए – **अनेक प्रकार के करों का बोझ**
- किस सुल्तान ने अकाल ग्रस्त लोगों की सहायता के लिए 'अकाल संहिता' का निर्माण करवाया – **मुहम्मद तुगलक ने**
- वह कौनसा सुल्तान था जिसने भूमि की नाम की आज्ञा निरस्त करके उसके स्थान पर गल्ला बॅटाई को अपनाया – **गियासुद्दीन तुगलक ने**
- रतन नाम के हिन्दू को किसके शासन काल में राजस्व अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया – **मुहम्मद तुगलक के काल में**
- किस सुल्तान ने सर्वप्रथम सिंचाई कर लेना प्रारम्भ किया – **फिरोज तुगलक**
- किस सुल्तान ने यह नियम बनाया कि किसी एक वर्ष में भू–राजस्व 1/10 या 1/11 से अधिक नहीं बढ़ाया जायेगा – **ग्यासुद्दीन तुगलक**
- दिल्ली सल्तनत के समय पानी खींचने के अन्य साधनों में साकिया (रहट) की भिन्नता का प्रमुख लक्षण किसका प्रयोग था – **गियर यंत्र का**
- दिल्ली सुल्तानों के अन्तर्गत इक्ता एक क्षेत्रिय आवंटन था और इसको धारण करने वाला मुक्ता कहलाता था जो – **देय भूमि के अतिरिक्त किसान पर और कोई दावा नहीं कर सकता था। सुल्तान मुक्ता का स्थानान्तरण कर सकता था।**
- सेना, इक्ता और मुद्रा सम्बन्धी सुधारों के लिए कौनसा सुल्तान प्रसिद्ध था – **इल्तुतमिश**
- शुद्ध अरबी चलाने के लिए प्रसिद्ध इल्तुतमिश ने कौन से सिक्के चलाये – **चांदी का टंका और तांबे की जीतल**
- सल्तनत में चांदी का एक टंका होता था – **48 जीतल के बराबर**
- लक्ष्मी प्रकार के सिक्कों का प्रयोग किया – **मुहम्मद बिन साम**
- वह मुसलमान विजेता, जिसने संस्कृत लेखयुक्त हिन्दू देवी वाले सिक्कों को चलाया – **मुहम्मद गोरी**
- अलाउद्दीन खिलजी की बाजार व्यवस्था के बाजार में विवरण देने वाले इतिहासकार – **बरनी, इब्नबतूता और अमीर खुसरो**
- अलाउद्दीन खिलजी की बाजार नियन्त्रण की नीति की जानकारी का महत्वपूर्ण स्त्रोत है – **बरनी की रचना तारीख–ए–फिरोजशाही**
- अलाऊद्दीन खिलजी के बाजार नियन्त्रण का उद्देश्य था – **कम खर्च पर विशाल सेना रखना**
- अलाउद्दीन खिलजी द्वारा बाजार नियंत्रण उपायों के अन्तर्गत अनाज मंडी का नियन्त्रक नियुक्त किया गया था – **मलिक कबूल**
- अलाउद्दीन खिलजी के गल्ला बाजार का प्रथम अधिनियम सम्बन्धित था – **सभी प्रकार के गल्लों का भाव निश्चित करने से**
- अलाउद्दीन खिलजी द्वारा प्रारम्भ की गई बाजार व्यवस्था उसकी मृत्यु के साथ ही समाप्त हो गई, क्योंकि – **बाजार व्यवस्था क्रूर शक्ति के आधार पर स्थापित की गई थी।**
- अलाउद्दीन खिलजी की बाजार व्यवस्था से सम्बन्धित अधिकारी थे – **दीवान–ए–रियासत, शहना, बरीद**
- किस सुल्तान ने सर्वप्रथम एक ओर अब्बासी खलीफा–अल–मुस्तन्सिर के नाम युक्त सिक्के चलाये – **इल्तुतमिश ने**
- सल्तनत काल में शहना नामक अधिकारी का कार्य क्या होता था – **पुलिस विभाग का पर्यवेक्षण**
- वस्त्र उद्योग के क्षेत्र में भारत में कौनसा महत्वपूर्ण उपकरण तुर्कों द्वारा लाया गया – **चरखा** (भारत में चरखे का पहला प्रमाण इसामी की फुतूह–उस–सलातीन में मिलता है।)
- सल्तनत काल में नद्दाफ का अर्थ था – **धुनिया (रूई धुनने वाला)**
- 175 ग्रेन का चांदी का सिक्का चलाने वाला दिल्ली का प्रथम सुल्तान – **इल्तुतमिश**
- भारत में गियर यंत्रावली का आविष्कार हुआ – **चौदहवीं शताब्दी में**

Govind Bajiya 8769405262

- अलाउद्दीन खिलजी के काल में मूल्य वृद्धि का क्या कारण था, जिन्हें बाजार व्यवस्था द्वारा नियन्त्रित करना पड़ा – **मंगोल आक्रमण**
- किस सुल्तान ने घोड़ों को दागने और सैनिकों का नगद वेतन देने की प्रथा का प्रारम्भ किया – **अलाउद्दीन खिलजी**
- फिरोज तुगलक के शासनकाल में चलाया गया शशगानी नामक चांदी का सिक्का था – **6 जीतल के बराबर**
- किस सुल्तान ने कृषि के विकास के लिए निर्धन किसानों की तकाबी बांटी, जिसे सोंधर कहा जाता था – **मुहम्मद तुगलक**
- किस सुल्तान की मुद्रा अकबर के समय तक विनिमय का माध्यम रही – **बहलोल लोदी की**
- किस शासक ने मिल्क तथा इनाम भूमि के अनुदानों को रद्द कर दिया – **अलाउद्दीन खिलजी**
- टंकों पर टकसाल का नाम अंकित करने की परम्परा का प्रारम्भ किया – **इल्तुतमिश ने**
- इक्ता के स्थान पर नगद वेतन देना किसने प्रारम्भ किया – **अलाउद्दीन खिलजी**
- किस राजवंश के सुल्तानों ने सामान्यतः खलीफा के नायब के रूप के अपना नाम सिक्कों पर अंकित करवाया – **तुगलक**
- किस सुल्तान ने अपना नाम सिक्कों से हटाने का आदेश दिया – **मुहम्मद तुगलक ने**, उसने अपने नाम के स्थान पर खलीफा का नाम अंकित करने का आदेश दिया।
- कौनसा सुल्तान लूट में प्राप्त धन का 80 प्रतिशत राज्य कर के रूप में लेता था – **अलाउद्दीन खिलजी**
- **उश्र** – भूमि कर जो मुसलमानों से 1/10 भाग लिया जाता था।
- **खराज** – गैर–मुसलमानों से लिया जाने वाला भूमिकर, जो अलाऊद्दीन खिलजी के समय सर्वाधिक 1/2 भाग था।
- **खम्स** – यह लूट का धन था जिसमें से 1/5 भाग सुल्तान को और 4/5 भाग सैनिकों को दिया जाता था। मगर अलाउद्दीन खिलजी के समय यह हिस्सा बदल दिया गया।
- **जजिया** – गैर–मुसलमानों से लिया जाने वाला धार्मिक कर
- **जकात** – मुसलमानों से लिया जाने वाला धार्मिक कर

सल्तनतकालीन प्रमुख शब्दावली

- **खुत** – ग्राम अधिकारी
- **मुकद्दम** – ग्रामीण मुखिया
- **नवीसन्दा** – लिपिक
- **कल्ब** – राजा के व्यक्तिगत सैनिक
- **जिम्मी** – जजिया देने वाले हिन्दू
- **वली** – प्रान्तीय गवर्नर
- **उस्लूब** – अधिनिमय

- **कल्ब** – राजा के व्यक्तिगत सैनिक
- **जिम्मी** – जजिया देने वाले हिन्दू
- **वली** – प्रान्तीय गवर्नर
- **उस्लूब** – अधिनिमय

- **उर्दू–ए–मुअल्ला** – शाही शिविर
- **मुस्तौफी–ए–ममालिक** – लेखा परीक्षक
- **मुहनियान** – गुप्तचर
- **अमीर–ए–हाजिब** – दरबारी शिष्टाचार का अधिकारी
- **आरिज–ए–मुमालिक** – सेना का प्रधान
- **बरीद–ए–मुमालिक** – राज्य के समाचार एवं सूचना तंत्र का प्रमुख
- **दबीर–ए–मुमालिक** – शाही सचिवालय का प्रधान
- **दबीर–ए–खास** – शाही पत्र–व्यवहार से सम्बन्ध रखने वाला अधिकारी
- **सर–ए–जांदार** – सुल्तान के अंगरक्षकों का नियन्त्रण
- **वकील–ए–दर** – शाही गृहस्थी का नियन्त्रक तथा पर्यवेक्षक
- **दीवान–ए–अर्ज** – प्रारम्भिक दिल्ली सल्तनत काल में सैन्य दस्तों के संगठन को देखना वाला मंत्री
- **दीवान–ए–अमीर कोही** – कृषि विकास के लिए मुहम्मद तुगलक द्वारा स्थापित किया गया विभाग
- **दीवान–ए–खैरात** – फिरोज तुगलक द्वारा स्थापित दान विभाग
- **दीवान–ए–बंदगान** – फिरोज तुगलक द्वारा स्थापित दास विभाग
- **दीवान–ए–अर्ज** – बलबन द्वारा स्थापित रक्षा विभाग का मंत्री
- **मुहतसिब** – शरीयत के नियमों के अनुसार आचरण लागू करवाने वाला अधिकारी
- **दाऊलशफा** – फिरोज तुगलक द्वारा स्थापित अस्पताल
- **फुरूसिया** – घुड़सवारी अभ्यास हेतु खुला मैदान
- **हक–ए–शर्ब** – फिरोज तुगलक के काल में लगाया गया सिंचाई–कर
- **तकाबी** – मुहम्मद तुगलक के समय किसानों को दिया गया कृषि ऋण

Govind Bajiya 8769405262

- **खिदमती** – पराजित हिन्दू राजाओं से लिया जाने वाला कर
- **किस्मात–ए–खोते** – गांव के मुखिया द्वारा किसानों से एकत्रित किया गया एक कृषि सम्बन्धी उपकर
- **इक्ता** – नागरिक एवं सैन्य सेवा के लिए दिया जाने वाला वेतन स्वरूप क्षेत्र
- **खालिसा** – सल्तनत प्रशासन के सीधे नियन्त्रण में आने वाली भूमि
- **इक्ता** – तनख्वाह के बदले भूमि के लगान का अनुदान
- **महाल–ए–पैबाकी** – जागीर के लिए आरक्षित भूमि
- **फवाजिल** – राज्य को प्रेषित अधिशेष राजस्व
- **अमीरान–ए–सदा** – मुहम्मद तुगलक के समय विदेशी अमीर
- **खान** – सल्तनत काल का सर्वोच्च सैनिक अधिकारी
- **अर्राब** – पहिए वाले वाहनों पर लदी बन्दूकें
- **शुतरनाल** – ऊँटों की पीठ पर ले जाने वाला हल्का तोपखाना
- **गजनाल** – हाथियों की पीठ पर ले जाया जाने वाला हल्का तोपखाना
- **नरनाल** – लोगों की पीठ पर ले जाया जाने वाला हल्का तोपखाना

सल्तनतकालीन प्रमुख कथन

- 'राजकीय मुकुट का प्रत्येक मोती गरीब किसान की अश्रुपूरित आंखों से गिरी हुई रक्त की घनीभूत बूंद है।' यह कथन था – **अमीर खुसरो का**
- ''भारत अरब नहीं है, इसे दारूल इस्लाम में परिवर्तित करना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है।'' यह किस सुल्तान ने कहा था – **इल्तुतमिश ने**
- ''कोई भी राजा इतना दयालु, सहानुभूति रखने वाला, विद्वानों तथा वृद्धों के प्रति श्रद्धालु, अपने प्रयासों से कभी साम्राज्य पर आसीन नहीं हुआ।'' मिनहाज सिराज ने यह किसके बारे में कहा है – **इल्तुतमिश के बारे में**
- ''नगर इतना बुरी तरह उजड़ गया कि नगर की इमारतों, महल और आसपास के इलाकों में एक बिल्ली या कुत्ता तक नहीं बचा।'' मुहम्मद तुगलक द्वारा राजधानी परिवर्तन के बारे में यह किसने कहा – **बरनी ने**
- ''एक मलिक होते हुए भी वह खान हो गया और फिर सुल्तान बन गया।'' यह किस सुल्तान के बारे में कहा गया है – **बलबन के बारे में**
- ''अलाऊद्दीन खिलजी इतना रक्त बहाने का दोषी है, जितना की फैरों ने भी कभी नहीं बहाया था।'' यह कथन है – **बरनी का**
- ''मैं लोगों को ऐसे हुक्म देता हूँ जो राज्य के लिए लाभकारी समझता हूँ। मैं नहीं जानता कि वे शरीयत के अनुसार उचित है या नहीं।'' यह किसने कहा – **अलाउद्दीन खिलजी**
- ''मेरा जीवन पुस्तकों के सूक्ष्म अध्ययन में व्यतीत हुआ है। मैनें प्रत्येक विज्ञान में प्राचीन एवं आधुनिक दोनों प्रकार के अनेक साहित्य ग्रंथों का अध्ययन किया है। कुरान की रहस्यवाद के अध्ययन के बाद भी जितना लाभ मुझे इतिहास सम्बन्धी विज्ञान में प्राप्त हुआ उतना ज्ञान किसी अन्य स्वरूप या प्रायोगिक क्रिया में नहीं।'' यह कथन है – **बरनी का**
- ''उत्तर भारत में तुर्कों की बिजय का एक महत्वपूर्ण पहलू नगरीय क्रांति थी।'' यह कथन था – **मुहम्मद हबीब का**
- ''सर्वशक्तिमान ईश्वर जब अपने सेवकों की आजीविका वृद्धावस्था के कारण वापिस नहीं लेता, खुदा का बंदा होने के नाते भला मैं अपने वृद्ध सैनिकों को कैसे पदच्युत कर सकता हूँ।'' यह कथन है – **फिरोज तुगलक का**
- ''राजा देवत्व का अंश होता है, उसकी समानता कोई भी मनुष्य नहीं कर सकता।'' यह कथन है – **बलबन का अपने पुत्र बुगरा खॉ के प्रति**
- ''इस्लाम की राजधानी (बगदाद) से भेजे गए लाल वस्त्र, आभूषण एवं उपहार को सुल्तान, उसके पुत्रों तथा अमीरों ने स्वीकार किया।'' तबकात–ए–नासिरी के अनुसार ये शब्द कहे गए है – **इल्तुतमिश के बारे में**
- ''बलबन एक उत्तम अभिनेता था और अपने दर्शकों को आधुनिक फिल्मी सितारों की भॉति मंत्रमुग्ध रखता था।'' यह कथन है – **के. ए. निजामी का**
- ''मेरा साम्राज्य रूग्ण हो गया है और यह किसी उपचार से ठीक नहीं हो सकता। वैद्य सरदर्द ठीक करता है तो बुखार हो जाता है और बुखार ठीक करने की कोशिश करता है तो और कुछ हो जाता है।'' यह किसने कहा था – **मुहम्मद तुगलक**
- ''कृषक वर्ग की कोई भी महिला बिना आभूषणों के नहीं देखा जा सकती थी।'' यह कथन था – **अफीफ का**

Govind Bajiya 8769405262